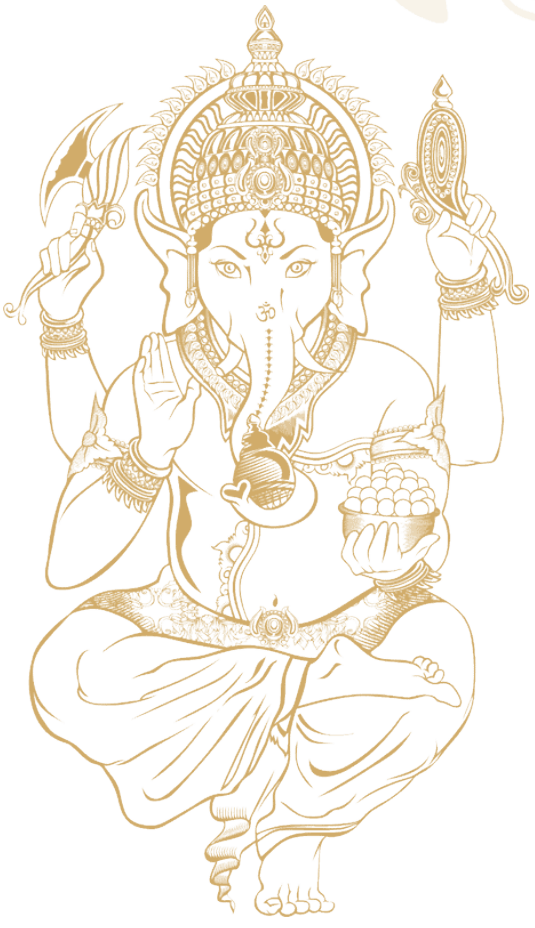

Tushar

Ayushi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120962403

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
11/11/1996 :	जन्म तिथि	: 05/05/1998
सोमवार :	दिन	: मंगलवार
घंटे 18:42:00 :	जन्म समय	: 06:16:00 घंटे
घटी 30:23:16 :	जन्म समय(घटी)	: 02:01:00 घटी
India :	देश	: India
Haldwani :	स्थान	: Muzaffarnagar
29:13:00 उत्तर :	अक्षांश	: 29:28:00 उत्तर
79:31:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:11:56 :	स्थानिक संस्कार	: -00:19:12 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:32:41 :	सूर्योदय	: 05:34:27
17:19:11 :	सूर्यास्त	: 18:57:51
23:48:48 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:49:54

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 3वर्ष 7मा 13दि	19:23:26	वृष	लग्न	वृष	01:42:36	केतु 2वर्ष 5मा 10दि
बुध	25:36:57	तुला	सूर्य	मेष	20:30:39	सूर्य
26/06/2019	00:19:03	वृश्चि	चंद्र	सिंह	08:40:27	14/10/2020
25/06/2036	12:50:21	सिंह	मंगल	मेष	22:23:43	15/10/2026
बुध 21/11/2021	01:17:02	वृश्चि	बुध	मीन	23:56:34	सूर्य 01/02/2021
केतु 19/11/2022	20:46:14	धनु	गुरु	कुंभ	26:28:16	चन्द्र 02/08/2021
शुक्र 19/09/2025	22:02:25	कन्या	शुक्र	मीन	07:33:08	मंगल 08/12/2021
सूर्य 26/07/2026	07:13:13	मीन व	शनि	मेष	02:12:54	राहु 02/11/2022
चन्द्र 25/12/2027	13:34:22	कन्या व	राहु	सिंह	14:29:10	गुरु 21/08/2023
मंगल 22/12/2028	13:34:22	मीन व	केतु	कुंभ	14:29:10	शनि 02/08/2024
राहु 11/07/2031	07:16:32	मक	हर्ष	मक	18:50:47	बुध 09/06/2025
गुरु 16/10/2033	01:31:12	मक	नेप व	मक	08:19:53	केतु 14/10/2025
शनि 25/06/2036	08:39:08	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	13:28:30	शुक्र 15/10/2026

लग्न-चलित

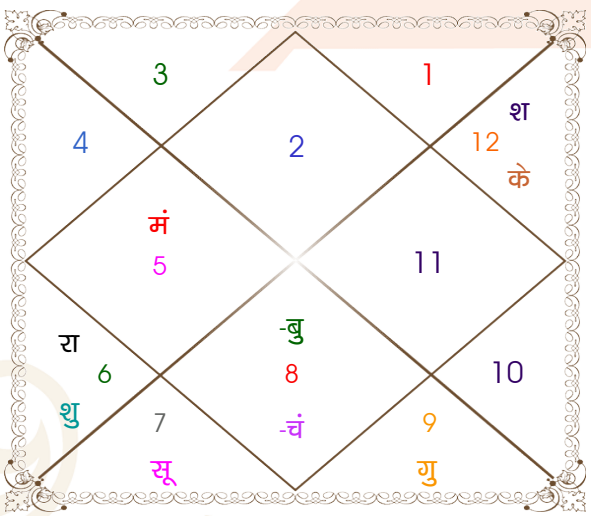

लग्न-चलित

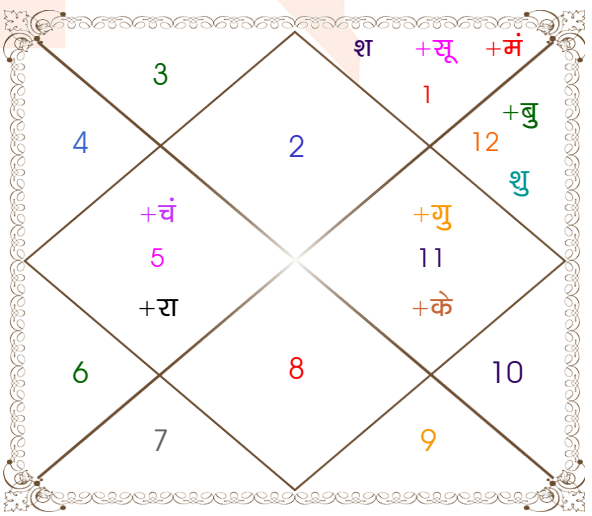

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

ज्नींत का वर्ग सर्प है तथा Ayushi का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ज्नींत और Ayushi का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

ज्नींत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

Ayushi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ayushi कि कुण्डली में द्वादश भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ayushi कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Ayushi कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि ज्नींत कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ज्नींत तथा Ayushi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।